व्यापार में नवाचार : अवसर एवं चुनौतियाँ

Innovation in Business : Opportunities and Challenges

डॉ. (श्रीमती) अंजू शुक्ला

Scanned with Ca

इस पुस्तक के सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक या इसके किसी भी अंश का किसी भी माध्यम से अथवा ज्ञान के संग्रहण एवं पुनर्प्रयोग की प्रणाली द्वारा, किसी भी रूप में, पुनरुत्पादित अथवा संचारित-प्रसारित नहीं किया जा सकता, इसे संक्षिप्त, परिवर्धित कर प्रकाशित करना कानूनी अपराध है।

ISBN : 978-81-951646-2-2

प्रथम संस्करण 2021

© संपादकाधीन

पुस्तक : व्यापार में नवाचार : अवसर एवं चुनौतियाँ

संपादक : डॉ. (श्रीमती) अंजू शुक्ला

प्रकाशक : **संकल्प प्रकाशन**

1569/14 नई बस्ती बक्तौरीपुरवा, बृहस्पति मन्दिर, नौबस्ता, कानपुर-208 021

दूरभाष : 094555-89663, 070077-49872

Email : sankalpprakashankanpur@gmail.com

वितरक : **समता प्रकाशन**

159/1 वार्ड नं. 12, बजरंगनगर, **रूरा,** कानपुर-देहात

दूरभाष : 9450139012, 9936565601

Email : samataprakashanrura@gmail.com

मूल्य : ₹ 795.00

शब्द-सज्जा : रुद्र ग्राफिक्स, हनुमन्त विहार, नौबस्ता, कानपुर-21

आवरण : गौरव शुक्ल, कानपुर-21

मुद्रण : आर्यन डिजिटल प्रिंटर्स, दिल्ली

Scanned with Ca

Content

1. सामाजिक परिवर्तन की दिशा में नोटबंदी अभियान का योगदान
डॉ. अंजू शुक्ला 15

2. व्यापारिक नवाचार का भारतीय कर ढांचा पर प्रभाव
डॉ. खगेन्द्र सोनी 20

3. व्यापार में नवाचार : सूचना प्रौद्योगिकी एक उभरता निर्यात उद्योग
डॉ. राहुल शुक्ला, डॉ. अरुण कुमार 25

4. छत्तीसगढ़ सहकारी दुग्ध महासंघ का दुग्ध व्यवसाय में नये अवसर और चुनौतियाँ–एक अध्ययन
डॉ. प्रियांक मिश्रा, प्रज्ञा तिवारी 28

5. जीएसटी : भारत का नया युग
डॉ. एम. एस. तम्बोली 34

6. ई–कॉमर्स का ग्राहकों/उपभोक्ताओं पर प्रभाव
नमन गुप्ता 41

7. नवाचार और रोजगार : एक साहित्य सर्वेक्षण
डॉ. बुदेश्वर प्रसाद सिंघरौल, चुलेश्वर 48

8. ई–कॉमर्स का उपभोक्ताओं की संतुष्टि एवं पुनः क्रय का अध्ययन
गुरुदेव कुमार 55

9. व्यापार में सर्वोत्तम निर्णय लेने में बिजनेस इंटेलिजेन्स का प्रभाव
भारती साहू 64

10. व्यापारिक नवाचार से गृहणियों के व्यवहार में परिवर्तन
अमिता पाण्डेय, अंकिता पाण्डेय 68

11. व्यापारिक नवाचार का भारतीय कर ढांचा
वर्षा सिन्हा 81

12. व्यापार नवाचार में अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र की भूमिका
प्रो. नीलिमा केशरवानी, डॉ. के.के. शर्मा, प्रो. आशा रॉय 85

13. भारत के आर्थिक विकास में स्मार्ट फोन का योगदान
प्रो. आशा रॉय, डॉ. के.के. शर्मा, प्रो. नीलिमा केशरवानी 89

Scanned with Ca

14. भारत में कृषि व्यापार : भूमिका तथा महत्व
डॉ. शशि गुप्ता
15. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में जैव–प्रौद्योगिकी का योगदान : कृषि विकास के संदर्भ में 9
डॉ. तुकाराम वैद्यनाथ चाटे
16. भारतीय व्यापार के समक्ष चुनौतियां : अर्थव्यवस्था का संकट 9
डॉ. (सुश्री) भावना कमाने
17. कैशलेस भारत : जी.एस.टी. तकनीक 10
डॉ. शेख़ शहेनाज़ अहेमद
18. भारत में बेरोजगार युवाओं का आक्रोश : स्वचालन जनित बेरोजगारी 11
डॉ. हरिणी रानी आगर, डॉ. एम.आर. आगर
19. Contribution of Information Revolution in The Context of New Indian Business 119
Dr. Jayanta Roy 126
20. A Case Study on Effect of Effect of E-commerce on India's Business
Yogesh Dhruw 139
21. Driving Innovations Through Business Intelligence
Dr. Amit Manglani, Ms. Disha Rani Yadav, Mr. Suraj Patel 149
22. Impact of Information Revolution On Business : An Analysis
Dr. V. K. Sharma, Shraddha Das 161
23. Innovation in business - Ease of doing business
Dr. Chandra Bhusan Prasad 168
24. An Overview of Indian Telecom Sector
Bijoy Karmakar, Dr. Smt Preeti Shukla 173
25. Electronic Commerce: A Study on Benefits and Challenges in an Emerging Economy of Chhattisgarh
Dr. Indu Santosh 182
26. Factors Affecting The Buying Behaviours of Indian House Wife's in Context To Super Markets
Smt. Sumela Chatterjee, Vaishali Agrahari 191
27. E-Commerce A Boon For Developing Economy in India
Dr. Vanita Kumari Soni, Dr. Anamika Tiwari 208
28. Effect of E-Commerce on Customers / Consumers
P. Kalpana 215
29. Consumer Perception on 'Online Food Ordering'
Nishtha Verma 230
30. Contribution of Business Innovation on Indian Economy
A. Sri Ram 241
31. A Study Innovation on Micro Enterprise Managed by Woman Entrepreneure A Scenerio in District Bilaspur of Chhattisgarh
Sarita Pandey, Dr. Priyank Mishra, Ashutosh Pandey 252

Scanned with Ca

7.
नवाचार और रोजगार : एक साहित्य सर्वेक्षण

*डॉ. बुदेश्वर प्रसाद सिंघरौल
**चुलेश्वर

अध्ययन में नवाचार तथा रोजगार से संबंधित साहित्यों में प्रस्तुत विभिन्न आयामों को स्पष्ट किया गया है। नवाचार तथा रोजगार पर आधारित प्रयोगसिद्ध विविध साहित्य उपलब्ध है। अध्ययन के लिए उपलब्ध प्रसिद्ध प्रयोगसिद्ध साहित्य का सर्वेक्षण किया गया है। साहित्य सर्वेक्षण नवाचार तथा रोजगार के मध्य सकारात्मक तथा नकारात्मक दोनो प्रभाव को स्पष्ट करता है। इस प्रकार साहित्य में नवाचार एवं रोजगार पर आधारित प्रयोग में मतभेद तथा विषमता विद्यमान है।

प्रस्तावना

नवाचार एक व्यापक अवधारणा है जिसमें किसी नवीन उत्पाद का सृजन, नवीन उत्पादन विधि या प्रक्रिया तथा नए बाजार स्वरूप को शामिल किया जा सकता है। नवाचार को व्यापक रूप से आर्थिक विकास का एक प्राथमिक स्त्रोत माना जाता है और नीतियों को ज्यादातर देशों में एजेंडा पर दृढ़–स्तरीय नवाचार को प्रोत्साहित किया जाता है। परिणाम स्वरूप रोजगार के लिए नवाचार विशेष स्थान रखते हैं लेकिन नवाचार और रोजगारके बीच संबंध स्पष्ट रूप में ज्ञात नहीं है। एक लंबे समय तक आर्थिक रोजगार पर नवाचार का प्रभाव स्पष्ट रूप से नकारात्मक नहीं है कई दशकों और यहाँ तक सदियों से उन्नत अर्थव्यवस्था में नवाचार के बजाय रोजगार के विकास के साथ किया गया है। दूसरी ओर यद्यपि साक्ष्य बताते है कि अभिनव फर्मो की तुलना में जीवित रहने और बढ़ने की संभावना अधिक है। जो फर्मनवाचार नहीं करते है उनके लिए रोजगार पर नवाचार के प्रभाव का हमारा ज्ञान स्तर अज्ञात बना हुआ है। नवाचार अक्सर नौकरियाँ को नष्ट कर देते है लेकिन यह भी अनुमान लगता है कि फर्म के उत्पाद समग्र रूप से किस सीमा तक और किस तंत्र के माध्यम से रोजगार प्रभावित होता है। नवाचार और रोजगार के बीच दृढ़ स्तरीय संबंधों का विश्लेषण अनुसंधान का महत्वपूर्ण विषय है। इसमें फर्म–स्तर पर बीच के रिश्तों पर प्रकाश डालने का प्रयास किया गया हैसाक्ष्य और कुल

परिणाम सूक्ष्म नीतियों के सरंचना के लिए सीधे प्रासंगिक तथा रोजगार वृद्धि के पक्ष में है। इस तरह के प्रभावों का मूल्यांकन इस प्रकार समझना महत्वपूर्ण है कि उत्पाद और श्रम बाजार कैसे है विनियम नवाचार के फर्म–स्तर और अर्थव्यवस्था–व्यापी दर को प्रभावित कर सकते है और नवाचार नीति का कार्यान्वयनएक अच्छी तरह से सूचित किया जा सकता है।

अध्ययन का उद्देश्य– नवाचार और रोजगार के मध्य प्रयोगसिद्ध साहित्य का अध्ययन करना।

शोध प्रविधि– अध्ययन वर्णनात्मक प्रविधि पर आधारित है। जिसके लिए द्वितीयक समंक का प्रयोग किया गया है। अध्ययन के लिए प्रयोगसिद्ध साहित्य के आधार पर नवाचार तथा रोजगार चर के बीच प्रभाव तथा संबंध को शामिल किया गया है। अध्ययन के लिए नवाचार तथा रोजगार पर आधारित प्रसिद्ध प्रयोगसिद्ध साहित्य का समावेश अध्ययन उद्देश्य के आधार किया गया है।

तथ्य संकलन– अध्ययन के लिए द्वितीयक सामंक का सकंलन विभिन्न शोध पत्रो में प्रकाशित शोध पत्र के आधार पर किया गया है। रोजगार तथा नवाचार पर आधारित कार्यकारी समितियों के प्रतिवेदन भी अध्ययन में शामिल है।

तथ्य विश्लेषण– अध्ययन द्वितीयक समंक पर साहित्यक अवधारणा पर आधारित है जिसके ज्ञात परिणामों के आधार पर वर्णन किया गया है। समंक विश्लेषण के लिए सांख्यिकी उपकरणों का प्रयोग नही किया गया है।

अध्ययन का महत्व– अध्ययन से नावाचार तथा रोजगार पर आधारित विभिन्न प्रयोगसिद्ध साहित्य को स्पष्ट किया गया हैं। जिसके आधार पर नवाचार तथा रोजगार के मध्य प्रभाव तथा संबंध की स्थिति को ज्ञात किया गया है। अध्ययन रोजगार तथा नवाचार के भावी अध्ययन के लिए आधारभूत तथ्यों तथा विचारों को प्रकट करता है जिससे नवाचार तथा रोजगार पर प्रयोगात्मक अध्ययन किया जा सकता है।

अध्ययन की सीमाएं– अध्ययन प्रयोगसिद्ध साहित्य पर आधारित है अतः संबंधित साहित्य की सीमाएं अध्ययन में स्वतः विद्यमान है।अध्ययन में साहित्यिक अवधारणा को स्पष्ट किया गया अतः अध्ययन प्रयोग पर आधारित नहीं है।

रोजगार एवं नवाचार पर प्रयोगसिद्ध साहित्य सर्वेक्षण– एंटोर्फ और पोहलमीयर (1990) और जिमरमन (1991) जर्मन माइक्रो समंक का विश्लेषण करते है। एंटोर्फ और पॉल्मेयर (1990) उत्पाद नवाचारों के लिए एक सकारात्मक प्रभाव पाते है जबकि प्रक्रिया नवाचारों कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं दिखा।

जिमरमन (1991) ने कहा कि तकनीकी प्रगति (1980)रोजगार में कमी के लिए महत्वपूर्ण था, अर्थात् वह एक नकारात्मक प्रभाव पाता है। लेकिन नवाचार की परिभाषा वह एक सवाल का उपयोग करता है तो पूछता है स्पष्ट रूप से

Scanned with Ca